अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (31/07/2025 -01/08/2025)

भा.वा.अ.शि.प. - उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के निष्कर्षों को साझा कर विस्तार करना था। इस कार्यक्रम में राज्य वन विभागों, अनुसंधान संस्थानों, प्रगतिशील किसानों, स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योग और प्रतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण, उत्तराखंड के हितधारकों द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से सहभाग किया।

उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.; डॉ. राजेश शर्मा, उप महानिदेशक (अनु.); डॉ. पी.एस. रावत,

सहायक महानिदेशक (अनु. एवं यो.); श्री तपेश झा एवं श्री प्रदीप वासुदेवा, क्रमशः निदेशक एस.एफ.आर.टी.आई. और एस.एफ.आर.आई. के साथ-साथ संस्थानों के परियोजना अन्वेषक और वैज्ञानिक शामिल थे।

डॉ. शर्मा ने सीएच-5' कैसुरीना क्लोन के विकास और राष्ट्रीय विमोचन जैसी पहलों की समावेशी योजना और सफलता पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. रावत ने परिषद के "प्रयोगशाला से भूमि तक" दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

कार्यशाला में छह अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें अकाष्ठ वन उत्पादों का मूल्य संवर्धन, जलवायु निगरानी, महुआ का आनुवंशिक सुधार, वन-संस्कृति उत्पादकता, वन प्रजातियों की जल आवश्यकताएँ और खमैर की खेती के तरीके शामिल थे। डॉ. फातिमा शिरीन द्वारा समन्वित इस कार्यक्रम में हितधारकों तक पहुँच और ज्ञान साझाकरण को मज़बूत करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्थानीय रूप से अनुवादित विस्तार सामग्री का विमोचन भी किया गया।

NATIONAL WORKSHOP
FOR
ALL INDIA COORDINATED
RESEARCH PROJECTS
31st July- 1st AUGUST 2025

July 31, 2025

July 31, 2025

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार
Tropical Forest Research Institute
Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt.of India
Dr. Sunita Narain

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद